**पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग),**
**भारत सरकार**
*************

**'हर काम देश के नाम'**

**नई दिल्ली, अग्रहायण 29, 1945**
**बुधवार, दिसंबर 20, 2023**

**रक्षा मंत्रालय ने भारतीय तटरक्षक बल के लिए अगली पीढ़ी के छह अपतटीय गश्ती जहाजों की खरीद के लिए मझगांव डॉकयार्ड शिपबिल्डर्स लिमिटेड के साथ 1,614.89 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए**

रक्षा मंत्रालय ने भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के लिए छह नेक्स्ट जनरेशन ऑफशोर पेट्रोल वेसल्स (एनजीओपीवीएस) की खरीद के लिए 20 दिसंबर, 2023 को मझगांव डॉकयार्ड शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल), मुंबई के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। यह अनुबंध 1614.89 करोड़ रुपये की कुल लागत पर 'खरीद (भारतीय-आईडीडीएम) श्रेणी' के तहत किया गया। खरीदे जा रहे छह जहाजों में से चार मौजूदा पुराने ओपीवी की जगह लिए जाएंगे और अन्य दो आईसीजी बेड़े को बढ़ाएंगे।

इन प्रमुख आईसीजी प्लेटफार्मों के अधिग्रहण का उद्देश्य आईसीजी की क्षमता को बढ़ाना और समुद्री सुरक्षा की दिशा में सरकार के बढ़ते फोकस को मजबूत करना

है। ये आधुनिक और उच्च तकनीक वाले जहाज निगरानी, कानून प्रवर्तन, खोज और बचाव, समुद्री प्रदूषण प्रतिक्रिया और आईसीजी द्वारा मानवीय सहायता सहित अन्य महत्वपूर्ण क्षमताओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कई उच्च-तकनीक उन्नत सुविधाओं और उपकरणों के साथ, ये 115 मीटर ओपीवीएस बहुउद्देशीय ड्रोन, एआई क्षमता, और वायरलेस नियंत्रित रिमोट वाटर रेस्क्यू क्राफ्ट लाइफबॉय आदि से लैस होंगे, जो आईसीजी को नए युग की बहुआयामी चुनौतियों का सामना करने के लिए अधिक लचीलापन और परिचालन बढ़त प्रदान करेंगे।

इन बहु-भूमिका वाले अत्याधुनिक जहाजों को एमडीएल, मुंबई द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित किया जाएगा, और कुल 66 महीनों की अवधि में वितरित किया जाएगा। यह अनुबंध देश की स्वदेशी जहाज निर्माण क्षमता को बढ़ावा देने, समुद्री आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और सहायक उद्योगों विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के साथ 'आत्मनिर्भर भारत' के उद्देश्यों को प्राप्त करता है। यह परियोजना देश में रोजगार के अवसर और विशेषज्ञता विकास भी पैदा करेगी।

**एबीबी/एसएस**